

हूल दिवस पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी को प्रशासन ने रोका आक्रोशित शहीदों के वंशज मंडल मुर्मू और समर्थकों ने किया प्रदर्शन आपसी सहमति बनने के बाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा

आजाद सिपाही संचाददाता

साहिबगंज। हूल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी पर प्रशासन ने रोक लगाते हुए बीती रात पंडित का काम कर रहे 13 मजदूरों को पुलिस उठा कर ले गयी। इससे आक्रोशित शहीदों के वंशज मंडल मुर्मू और समर्थकों ने सरकारी मंच के काम को बंद करते हुए मुख्य सड़क किनारे प्रवेश द्वारा की बांस से बंद कर दिया और चुड़ाक लगा दिया। प्रशासन और सिद्धों के छठे वंशज के साथ आपसी सहमति बनने के बाद कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

सिद्धों कानून के छठे वंशज सह सिद्धों कानून, हूल फाउंडेशन और आतु मार्जी वैसी संस्था के अध्यक्ष मंडल मुर्मू ने बाताया कि हम लोग हर साल की भाँति इस साल भी कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी कर रहे थे। प्रशासन ने रोक लगाते हुए बीते रात पंडित का काम कर रहे 13 मजदूरों को पुलिस उठा



कर ले गयी। वही आक्रोशित शहीदों के वंशज मंडल मुर्मू और समर्थकों ने सरकारी मंच के काम को बंद करते हुए मुख्य सड़क किनारे प्रवेश द्वारा की बांस से बंद कर दिया और चुड़ाक लगा दिया। हेलोपोड की अस्थायी घेराव को हटा दिया। सिद्धों कानून पार्क में हुए बीते रात पंडित का काम कर रहे 13 मजदूरों को पुलिस उठा

वहीं सूचना मिलने पर सदर एसडीओ अमर जॉन आइंद्र, एसडीओपी अमर किशोर तिर्की, डीएसपी बहरवा नीतिन किनारे प्रवेश द्वारा की बांस से बंद कर दिया और चुड़ाक लगा दिया। हेलोपोड की अस्थायी घेराव को हटा दिया। सिद्धों कानून पार्क में हुए बीते रात पंडित का काम कर रहे 13 मजदूरों को पुलिस उठा

कानून हूल फाउंडेशन के अध्यक्ष मंडल मुर्मू से बात कर समस्या का समाधान करने में जुटे, मंडल मुर्मू एवं समर्थक मजदूरों को वापस पहुंचाने तथा निर्धारित कार्यक्रम करने की बात पर अडे रहे। वहीं सिद्धों कानून के छठे वंशज मंडल मुर्मू ने बाताया कि शाम में मजदूरों का पहुंचाया गया और एसडीओ ने कहा कि कार्यक्रम के लिए पुनः आवेदन देने और कार्यक्रम करने की बात कही गयी। भौके पर बीड़ीओ सह सीओ बहरेट अंशु कुमार पांडे, थाना प्रभारी बहरेट पवन कुमार, मनोज मरांडी, बाबूजी हासदा और सुरुज किस्कू सहित सैकड़ों महिला-पुरुष बच्चे एवं पुलिस बल उपरिस्थित थे।

एसडीओ ने वंशज सह सिद्धो-

19वां सांख्यिकी दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संचाददाता

रांची। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 29 जून को मनाए जाने वाले सांख्यिकी दिवस का आयोजन इस वर्ष भी ग्रीष्मार्पण तरीके से हुआ। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रांची द्वारा इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय प्रतिवर्ष सर्वेक्षण के 75 वर्ष, जो 1950 में प्रोफेसर पीरी महालनोबिस द्वारा प्रस्तुत सर्वेक्षण दांचे के प्रिंतर 1951 वर्षों की उन्नाने अंदरकारी अध्यक्षता द्वारा निश्चय कर दिया गया। महालनोबिस के जैव विज्ञान विभाग के 75 वर्षों की उन्नाने अंदरकारी अध्यक्षता द्वारा निश्चय कर दिया गया।

उन्नाने अंदरकारी अध्यक्षता द्वारा निश्चय कर दिया गया।



आधार बन सकते हैं।

उन्नाने प्रो. महालनोबिस के अधिकारी मॉडल, पीरी विज्ञान और बुनियादी दांचे में किये गये अनुप्रयोगों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम की अंशीकारी कुमार ने उन्नाने अंदरकारी विद्युत की शुभकामनाएं दीं और प्रो. महालनोबिस के जैव विज्ञान विभाग से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

उन्नाने अंदरकारी अध्यक्षता द्वारा निश्चय कर दिया गया।

उन्नाने अंदरकारी अध

संपादकीय

मजबूत है भारत की अर्थव्यवस्था

वि त मंत्रिलय की मासिक आर्थिक समीक्षा मई 2025 में कहा गया है कि वित वर्ष 2025-26 की शुरुआत में ही भारत की अर्थव्यवस्था ने भू-गर्जीताक ताजावों के बावजूद मजबूत और लचीला प्रर्णन किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आर्थिक स्थिति स्थिर बनी हुई है और समग्र रूप से आर्थिक परिवृश्य सकारात्मक दिख रहा है। समीक्षा में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के माहौल में भी मजबूती दिखाई है, जिसे घरेलू मांग में सुधार, मुद्रास्फीति में कमी, रोजगार की स्थिति और नियांत श्वेत्र के मजबूती का सहयोग मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें बिल, इंधन की खपत और पीएमआइ सुखाकार के लिए वाई-फ़ीवर्सी संकेत के बावजूद इस बात की पुष्टि करते हैं कि आर्थिक गतिविधियां वित वर्ष 26 की शुरुआत में भी स्थिर रही हैं। ग्रामीण मांग में वृद्धि की वज्र अच्छी रबी फसल और सकारात्मक मानसून पूर्वानुमान को बताया गया है। शहरी खपत को बढ़ाती पर्यटन और व्यावसायिक व्यापारों से बल मिल रहा है, जो हवाई यात्रा और होटल बुकिंग में बढ़ाती रही के रूप में सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माण सामग्री और वाहन विक्री के संकेत स्थिर है। मई 2025 में खाद्य और खुदरा मुद्रास्फीति में सरत और व्यापक गिरावट दर्ज की गई, जिसका श्रेष्ठ क्रिय उत्तमान में मजबूती और अप्रैल के बावजूद व्यापारों को भी जबरन कर ले जाने लगे। ऐसी अमरनीय घटनाओं में आगे भी डालने का काम किया। 1793 ई. की संथाली बंदोवस्ती लागू होने के कारण संथालियों के आर्थिक हास शुरू हुआ। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिनमें 1857 में भारत की स्वतंत्रता की प्रथम लड़ाई से पूर्व तिला का माझी, बीच बुझ भारत और 1855 के संथाल में सिंहों-कानून प्रमुख हैं। महान संथाल विद्रोह, जिसे संथाली भाषा में हूल कहते हैं, का एक सौ सतर साल हो गये।

समीक्षा में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता के माहौल में भी मजबूती दिखाई है, जिसे घरेलू मांग ने सुधार, मुद्रास्फीति ने कमी, रोजगार की स्थिति और नियांत श्वेत्र के मजबूती का सहयोग मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन्हें बिल, इंधन की खपत और पीएमआइ सुखाकार के लिए वाई-फ़ीवर्सी संकेत के बावजूद इस बात की पुष्टि करते हैं कि आर्थिक गतिविधियां वित वर्ष 26 की शुरुआत में भी स्थिर रही हैं। ग्रामीण मांग में वृद्धि की वज्र अच्छी रबी फसल और सकारात्मक मानसून पूर्वानुमान को बताया गया है। शहरी खपत को बढ़ाती पर्यटन और व्यावसायिक व्यापारों से बल मिल रहा है, जो हवाई यात्रा और होटल बुकिंग में बढ़ाती रही के रूप में सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माण सामग्री और वाहन विक्री के संकेत स्थिर है। जिसको अपने कर्जों के विपले चक्र में कंफ़ कर उन्हें बंधुआ मजबूत बना लेते। एक तो ब्याज का दर काफी अधिक होता, वहीं चक्रवृद्धि ब्याज लगा कर उनके जमीन हड्ड पलते। रेलवे लाइन विलाने वाले अंग्रेज कर्मचारी किसानों पर जुल्म करते। उनके मरविशों और महिलाओं को भी जबरन कर ले जाने लगे। ऐसी अमरनीय घटनाओं में आगे भी डालने का काम किया। 1793 ई. की संथाली बंदोवस्ती लागू होने के कारण संथालियों के आर्थिक हास शुरू हुआ। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिनमें 1857 में भारत की स्वतंत्रता की प्रथम लड़ाई से पूर्व तिला का माझी, बीच बुझ भारत और 1855 के संथाल में सिंहों-कानून प्रमुख हैं। महान संथाल विद्रोह, जिसे संथाली भाषा में हूल कहते हैं, का एक सौ सतर साल साल हो गये।

सरकारी हस्तक्षेपों को दिया गया। वैश्वक घटनाक्रमों के कारण 2025 की शुरुआत में व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गयी। हालांकि दूसरी तिमाही में कुछ हृद तक स्थिति सामान्य हुई। इस दौरान भी भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार ने मई में स्थिरता और विश्वास बनाए रखा। इसकी प्रमुख बजह रही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रिकॉर्ड लाभांश की घोषणा और वित वर्ष 25 की अंतिम तिमाही की मजबूत वृद्धि। इस कारण सरकारी बॉन्ड पर जोधियम प्रीमियम घटकर 182 बेसिस पॉइंट रह गया। भारत के कुल और सेवाएँ में मई 2025 में 2.8% की सालाना वृद्धि दर्ज की गयी, जो वैश्वक अधिक मंदी और टैरिफ अस्थिरता के बावजूद नियर्थ क्षेत्र की मजबूती दर्शाता है। 13 जून तक, देश का विवेशी मुद्रा भंडार \$699 बिलियन पर बना रहा, जो 11.5 महीनों के आधार को करव करने में सक्षम है। भारतीय रुपया अन्य वैश्वक मुद्राओं की तुलना में मध्यम अस्थिरता के साथ स्थित बना रहा। रिपोर्ट में बताया गया कि ब्राम बाजार भी स्थिरता की ओर बढ़ रहा है।

अभिमत आजाद सिपाही

1793 ई. की संथाली बंदोवस्ती लागू होने के कारण संथालियों के आर्थिक हास शुरू हुआ। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से शाथी यात्रा और जिसी राह में घरेलू गांव की खपत अच्छी रबी फसल और सकारात्मक मानसून पूर्वानुमान को बताया गया। शहरी खपत को बढ़ाती पर्यटन और व्यावसायिक व्यापारों से बल मिल रहा है, जो हवाई यात्रा और होटल बुकिंग में बढ़ाती रही के रूप में सामने आया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि निर्माण सामग्री और वाहन विक्री के संकेत स्थिर है। जिसको अपने कर्जों के विपले चक्र में कंफ़ कर उन्हें बंधुआ मजबूत बना लेते। एक तो ब्याज का दर काफी अधिक होता, वहीं चक्रवृद्धि ब्याज लगा कर उनके जमीन हड्ड पलते। रेलवे लाइन विलाने वाले अंग्रेज कर्मचारी किसानों पर जुल्म करते। उनके मरविशों और महिलाओं को भी जबरन कर ले जाने लगे। ऐसी अमरनीय घटनाओं में आगे भी डालने का काम किया। 1793 ई. की संथाली बंदोवस्ती लागू होने के कारण संथालियों के आर्थिक हास शुरू हुआ। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन्न गांवों के बाजाएँ हाट में लोग निलंते और शोषण के खिलाफ विद्रोह होते रहे, जिसे घरेलू मांग में भी मजबूती की बजाए गयी। 1855 के संथाल में बींबनू, बांकुरा और हजारीबाग से अस्थिरता के बावजूद व्यापार लवाव बढ़ा, जिससे वित्तीय बाजारों में वृद्धि दर्ज की गयी। 1855 का संथाली राजद्रोह अद्यानक नहीं हुआ। दाताओं से विभिन

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

9 Tirl Road, Kokar, Ranchi
9661169815

FLORENCE GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of Hajj Abdur Razzaq Educational Society)
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
M.Sc. Nursing
Post Basic B.Sc. Nursing
B.Sc. Nursing
GNM (General Nursing And Midwifery)
ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
BMLT
DMLT
OT ASSISTANT
ECG
OPHTHALMIC ASST.
CRITICAL CARE (ICU)
RADIO-IMAGING
ANESTHESIA TECH.
DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
D-PHARM
B-PHRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 79039941, 6202354570
E-mail: sfsirba@gmail.com
Website: www.florenceinstsirba.com

'मन की बात' का 123वां एपिसोड प्रसारित आपातकाल में लोगों को प्रताड़ित किया गया : मोदी

आजाद सिपाही संचाचादता



नवी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो शो 'मन की बात' का 123वां एपिसोड रविवार को प्रसारित हुआ। देशवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार अपातकाल योग दिवस की ऊर्जा से भरे हुए हैं। इह 10 साल पहले शुरू हुआ था और अज पूरी दुनिया में छा गया है।

ने कहा कि इमरजेंसी लागतों वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की योग दिवस की खुबसूरत तरवरीं देखने को मिलीं। योग अब सशक्तिकरण का जरिया बन गया है। पीएम मोदी ने कहा, 21 जून को देश और दुनिया भव्य में लालों लोगों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हुआ लिया। इसकी शुरूआत 10 साल पहले हुई थी। इन 10 सालों में हर साल उसकी परंपरा पहले से ज्यादा भव्य होती गयी है। यह दर्शाता है कि ज्यादा लोग योग को अपने जीवन में शामिल कर रहे हैं। इमरजेंसी के पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑफरेशन और हाउसिंग जनगणना एक अप्रैल 2026 से

जैन परंपरा में कैलाश को श्रद्धा का केंद्र माना गया है। जब कोई तीर्थयात्रा पर जाता है, तो एक भाव मन में आता है, चलो बुलावा आया है। यही भाव हमारी धार्मिक यात्राओं की आत्मा है। वे यात्राएं शरीर के अनुशासन का, मन की शुद्धि का, आपसी प्रेम और भावित्वों के साथ-साथ प्रभु से जुड़ने का मायथ है। उन्होंने ये भी बताया, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्रैकोमा मुक्त घोषित कर दिया है। अब भारत ट्रैकोमा मुक्त देश बन चुका है। यह उन लालों लोगों की महेनत का फल है, जिन्होंने विश्व थेके, बिना रुके, इस बीमारी से लड़ाई लड़ी। यह सफलता हमारे हेल्थ कर्कों की है। उन्होंने आगे कहा, अभी इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट आयी है। इसमें सामने आया है कि देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी स्परकारी योजना का लाभ उठा रहे हैं।

जनगणना: एक अप्रैल से मकान सूचीकरण, जाति भी पूछी जायेगी

नवी दिल्ली (आजाद सिपाही) भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युज्य कुमार नाशय प्रण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑफरेशन और हाउसिंग जनगणना एक अप्रैल 2026 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की

सामिक्तिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जावकारी ली जायेगी। इस चरण में सरकार यह पता लगायेगी कि घर की दीवार, छत और पर्श विश्व सामग्री की बड़ी है। घर में कितने कमरे हैं, कितने लोग रहते हैं, घर में शादी रुक्षे जोड़े हैं या नहीं, क्या घर का मुख्यांश महिला है या वह अनुसन्धित जाति/जनजाति से है।

ACME COACHING Classes For

+2 / I.Com. B.Com. C.A./C.S.
Acts, Eco., B.St. All Sem. Foundation

Our Top Achievers (2025 Exams)

Prathmesh Pandey, Saurabh Kulkarni, Vaibhav K. Rathod, Sapna Singh, Priti Patel, Akash Patel, Divya Patel, Shreya Patel, Santa Birla School, Savita Birla School

Home Tuitions Also Available

Address Santipuram Colony, Cheshire Home Road, Dipatoli, Ranchi

Mob.: 8210990620 / 9835120846

THE DESERVE

Sri Karishna Mathura Tower,
(Near Kaveri Restaurant), Circular Road, Lalpur, Ranchi

9835722261

निःशुल्क COMPUTER प्र० (DCA)

SPOKEN ENGLISH (GD + PD)

Other Courses

DFA - ADCA / DTP / C++
A+ / JAVA / PYTHON ect.

GST
D-4 MONTH
HINDI & ENGLISH TYPING

GET JOB
MONEY BACK

YODDHA DEFENCE ACADEMY

NDA Target.

NDA Foundation (11th & 12th)

NDA Pre Foundation (8th & 10th)

CDS/MNS/AF

CPMF

Nurturing our youth

Shaping new soldiers

9153595906

3rd Floor Avinash Complex,

East Jail Road, Lalpur, Ranchi

50 % OFF
TILL JUNE 2025

L.P. PUBLIC SCHOOL

50+ Years of Trusted Early Education in KOKAR

Opposite Paridhan, Near Jeep Showroom

KOKAR

Verma's Today® CHAPTERWISE CLASS - XI

ARTS, SCIENCE, COMMERCE

पर्सनल प्र० सेल्स और सेल्स एक्सेस

All Subjects Combined in ONE BOOK

Hindi (Core), English (Core), Hindi (Elective), English (Elective), Economics, History, Political Science, Geography, Sociology, Psychology, Biochemistry, and Home Science

Science (Core), English (Core), Economics, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology

Commerce (Core), English (Core), Economics, Accountancy, Business Studies, Commercial Arithmetic, Entrepreneurship and Computer Science

Mathematics (Core), English (Core), Algebra, Trigonometry, Calculus, Coordinate Geometry, and Differential Calculus

Science (Subject Combinations), English (Subject Combinations), Hindi (Subject Combinations), and Sanskrit (Subject Combinations)

प्र० एवं डिजिटल सेल्स एवं सेल्स एक्सेस

प्र० एवं डिजिटल